सक्सेस मिरर

वर्ष : 6
अंक : 61
फरवरी : 2015

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | विचारों की चोरी न करें
9 | समसामयिकी घटना संग्रह
10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 | आर्थिक घटना संग्रह

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों के लिए ऋण गारंटी निधि की स्थापना
- भारत–मोजाम्बिक ने तेल और गैस क्षेत्र के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए
- दिल्ली उच्च न्यायालय ने जियाओमी पर भारत में फोन बेचने पर प्रतिबंध लगाया

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने आत्महत्या करने के प्रयास से सम्बन्धित धारा 309 को हटाया
- सीवीसी और सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति में सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति अनिवार्य
- केन्द्र सरकार ने पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों को 5 वर्ष का वीजा देने की घोषणा की

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूएनजीए ने परमाणु हथियार मुक्त विश्व की स्थापना के लिए प्रस्ताव पारित किया
- इंटेल सेंटर ने सबसे खतरनाक 45 देशों की सूची जारी की
- अफगानिस्तान में संयुक्त राज्य अमरीका और नाटो का लड़ाकू मिशन समाप्त

31 | खेल खिलाड़ी

- सुपर विक्टर को यूरोपियन फुटबाल चैम्पियनशिप (यूरो) 2016 का शुभंकर
- भारत ने पाकिस्तान को हराकर वर्ष 2014 का दृष्टिहीन क्रिकेट विश्व कप जीता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
38 | विज्ञान समाचार

लेख

40 | सामयिक लेख : लखनऊ मेट्रो, लखनऊ व प्रगति के नए आयाम
42 | कैरियर लेख : कर्म द्वारा ही → जिन्दगी आपकी → एवं → सफलता भी
82 | भारत की प्रमुख नदियाँ
85 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
86 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-58 का परिणाम
87 | विश्व घटनाक्रम
97 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

56 रेलवे भर्ती सेल (दिल्ली) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
62 डाक विभाग : महाराष्ट्र डाक सहायक/छँटाई सहायक परीक्षा, 2014

आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

69 तर्कशक्ति परीक्षा
72 English Language
75 आंकिक क्षमता
78 सामान्य सचेतता
80 कम्प्यूटर ज्ञान

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66
➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283
➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572
➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515
➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

विचारों की चोरी न करें

इस जीवन में हम निरन्तर औरों से कुछ-न-कुछ लेते भी हैं और उनसे प्रभावित भी होते हैं, किन्तु अगर हमें किसी की कोई बात अच्छी लगी हो और इतनी अच्छी लगी हो कि ऐसा लगने लगा हो कि ये मेरी ही तो बात है. मैं भी ऐसा ही सोचता हूँ और ऐसा ही होना भी चाहिए और तब आप उसकी बात को ग्रहण करते समय अथवा सुनते समय उसकी तारीफ करें, उसकी बात की हम अवहेलना करें, वहाँ तक तो हम उचित कार्य कर रहे हैं. हम न्यायपूर्ण हैं, किन्तु हम उसकी बात सुनने के बाद, उसी की बात को अपने नाम से प्रचारित करना शुरू कर दें. यहाँ हम उचित कार्य नहीं कर रहे हैं. अगर हमें किसी की बात अच्छी लगी हो, प्रभावित करने वाली हो अथवा हमारे लिए उपयोगी हो. तब भी जिससे हमने वह जानकारी ग्रहण की है. जिससे हमने वह ज्ञान की बात सुनी है. हम उसको अपने नाम से प्रचारित न करें, न अपने नाम से लिख करके लोगों के पास भेजें, बल्कि हम ईमानदार बनें. हम यह कह सकें कि मैं इस विचार को पसन्द करता हूँ, फिर वह जो भी विचार हो, किन्तु अगर हम उसमें विचारक को, लेखक को, उसके नाम को हटा करके अपना नाम लिखते हैं, लगाते हैं, तो मान के चलो कि हम उस लेखक की आत्मा के भावों की कहीं-न-कहीं निरादर करते हैं और लेखक की छवि का भी हम अपमान करते हैं. हम किसी व्यक्ति की आत्मयोग्यता को छुपाए नहीं.

समण भगवान महावीर ने आत्मा के ज्ञान को आवरित करने वाले कर्म को ज्ञानावरणीय कर्म कहा है. यह ज्ञानावरणीय कर्म तब बँधता ही है जब हम किसी ज्ञानी के ज्ञान को अपने नाम से प्रसारित करके उसका नाम छुपा देते हैं. ज्ञान को छुपाना व ज्ञानी के नाम को छुपाना हमारी आत्मिक योग्यता को असक्षम बनाता है. कई लोग दूसरों के विचारों को जोड़-तोड़कर अपने नाम से प्रस्तुत कर देते हैं व संस्थाओं से फर्जी डिग्री प्राप्त करके स्वयं को डॉक्टरेट इत्यादि उपाधियों से सम्मानित करवा लेते हैं. ऐसे लोग प्रायः यश के चोर कहलाते हैं. अन्य के भावों को स्वयं के नाम से प्रकाशित करवाकर यश कमाना भी चोरी है, जिसका परिणाम कालान्तर में वाद-विरोध के रूप में भोगना पड़ सकता है अर्थात् आप बोलो और लोग आपका विरोध करें. अकारण उपजे विरोध भी कभी अकारण नहीं होते, उनके कारण गुप्त होते हैं. अतीत की आदतों में छुपे होते हैं. चोरी करके नाम कमाने की चाहत रखने वाला न केवल चौर्य कर्म का दोषी है, बल्कि हिंसा का परदायी (Responsible) भी बनता है. हमारे प्राण जहाँ भी व्यथित अथवा पीड़ित होते हैं, वहाँ हिंसा तो है ही. जब भी हम किसी के वचनों या विचारों की, जोकि उसके निजी चिन्तन-मनन एवं अनुभव से निःसृत हुए हैं, उन्हें अपने नाम से प्रकाशित व प्रसारित करते हैं, तो उन्हें पीड़ा होती है. एक चित्रकार के प्राण उसके द्वारा बनाए गए चित्र में बसते हैं. एक संगीतकार के प्राण उसके संगीत में, एक कवि के प्राण उसकी कविता में, एक लेखक के प्राण उसके द्वारा रचित साहित्य में–ऐसे में जब कभी हम किसी के वचनों को काटते हैं या विचारों को चुराते हैं, तो उसके वचन बल प्राण की हिंसा करते हैं. आत्मज्ञानी पूज्यश्री विराट गुरुजी अपने एक काव्य में लिखते हैं कि–

बात काटना,
गात काटना है,
जीवन साक्षात् काटना ।
भली-बुरी प्रतिपक्षी कथनी,
हमको तो बस खुशी बाँटना ।
जो बाँटेंगे खुशी मिलेगी,
यही सृष्टि का राज़, भविजन ····· ॥
क्यों कल पर हो आज ·····॥

बात काटना गात अर्थात् शरीर को काटने के समान है.